हिंदी

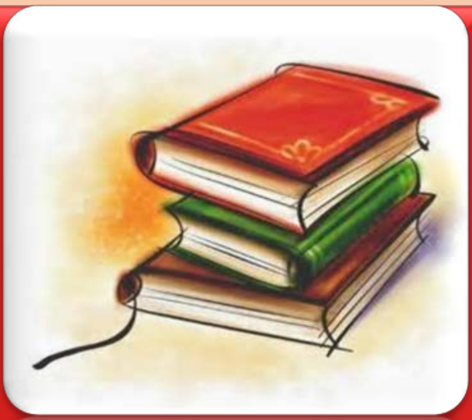

कक्षा - VI

थीम 1: सुनना और बोलना

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- कक्षा, प्रातः सभा आदि में की गई उद्घोषणा टीवी पर प्रसारित चर्चा, संगोष्ठी आदि तथा सोशल मीडिया और इंटरनेट की दृश्य-श्रव्य सामग्री को सुनकर उसका अर्थ ग्रहण कर सकेंगे और आवश्यकता अनुरूप अपनी प्रतिक्रिया प्रकट कर सकेंगे। अपने विचारों को विस्तार दे सकेंगे।
- कथन में निहित **व्यंग्य, हास्य-विनोद आदि भावों** को समझ सकेंगे।
- पढ़ी, सुनी या देखी बातों जैसे – सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों, मुद्दों, सामाजिक सरोकारों आदि पर **बेझिझक चर्चा कर सकेंगे और प्रश्न कर सकेंगे।**
- प्रश्नों को समझ कर उनके अनुरूप उत्तर दे सकेंगे।
- विविध कलाओं, जैसे – हस्तकला, वास्तुकला, नृत्य कला आदि में प्रयुक्त भाषा समझ सकेंगे।
- कहानी, घटना, प्रसंग, कविता, संस्मरण आदि हाव-भाव के साथ सुना सकेंगे।
- अपनी आयु अनुरूप शब्दों का प्रयोग करते हुए कहानी को अपनी कल्पना से आगे बढ़ा सकेंगे।
- अपनी आयु के अनुरूप कुछ विषयों जैसे – जब मैंने साइकिल चलाना सीखा, पहली बार शरबत बनाया, मंच पर गया आदि पर **आशुभाषण प्रस्तुत कर सकेंगे**।
- लिंग / वचन को ध्यान में रखकर अपनी बात उचित उच्चारण, बल एवं अनुतान के साथ कह सकेंगे।
- अवसर के अनुकूल औपचारिक एवं उपयुक्त भाषा का प्रयोग कर सकेंगे।
- अपने विचारों को आत्मविश्वास, सहजता एवं प्रवाह के साथ बोलकर प्रकट कर सकेंगे।
- विभिन्न स्रोतों से नए शब्दों को जानने का प्रयास करेंगे।
- मल्टी-मीडिया (ग्राफ़िक्स, तस्वीरें, संगीत, ध्वनि आदि) का प्रयोग करते समय दृश्य-सामग्री प्रस्तुत कर सकेंगे।
- भाषा-खेलों में रुचिपूर्वक भाग लेंगे, जैसे – वर्ग पहेली, शब्द-सीढ़ी आदि।

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
सोशल	ऑडियो सुनवाएँ और प्रश्न पूछें।	आमंत्रित अतिथियों के वक्तव्य विविध प्रकार की ऑडियो / वीडियो सामग्री

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
मीडिया या इंटरनेट की दृश्य-श्रव्य सामग्री ➢ [redacted] ➢ **विषय** ☛ जल संरक्षण ☛ *वन महोत्सव* ☛ *यातायात के नियम* ☛ *स्वास्थ्य* ☛ *जंक फ़ूड* ➢ पी.पी.टी. या वीडियो द्वारा दृश्य सामग्री की अपनी भाषा क्षमता के अनुरूप प्रस्तुति ➢ सूचनाओं और जानकारी की विभिन्न दृष्टिकोणों से प्रस्तुति ➢ [redacted] ➢ समाचार-पत्र, टीवी, विज्ञापन आदि की भाषा ➢ विभिन्न प्रसंगों, भाषण, वाद-विवाद और सामूहिक चर्चा में भाषा प्रयोग ➢ मल्टी-मीडिया का प्रयोग करते समय विभिन्न अंगों, जैसे – ग्राफ़िक्स, तस्वीरें, संगीत, ध्वनि आदि की दृश्य सामग्री में प्रस्तुति। विषय - प्राकृतिक आपदाएँ, मौसम, त्योहार, खेल आदि	(कहानी, भाषण, कविता, नाटक आदि)। ➢ [redacted] मल्टीमीडिया सामग्री सुनाकर – दिखाकर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिक्रिया देने के अवसर दें। आशु भाषण की प्रस्तुति, वाक् प्रस्तुति के अवसर दें। ➢ अपनी भाषा में बातचीत और चर्चा करने के अवसर दें। ➢ सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, अखबार के लेख, फ़िल्म, ऑडियो – वीडियो सामग्री को देखने, सुनने और समझने के अवसर दें। ➢ अपने परिवेश, समय और समाज से जुड़े विषयों पर रचनाएँ उपलब्ध करवाएँ। ➢ [redacted] ➢ साहित्य और साहित्यिक तत्वों की समझ बढ़ाने के अवसर दें। ➢ ऐसे परियोजना कार्य करने के लिए दें जिसमें बच्चे मल्टी-मीडिया का प्रयोग कर सकें, जैसे संगीत, प्राकृतिक आपदा, खेल, प्राकृतिक स्थल।	➢ [redacted] ➢ पुस्तकालय में प्रासंगिक और तात्कालिक / समसामयिक पुस्तकें ➢ नेट सुविधा / मल्टीमीडिया ➢ भाषा- खेल ➢ श्रुतभाव- ग्रहण संबंधी प्रपत्र

थीम 2: पढ़ना एवं लिखना (पठन एवं लेखन कौशल)

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- **अर्थ बोध एवं गति के साथ मौन पठन कर सकेंगे ।**
- पाठ्य-सामग्री को पढ़कर अर्थ-ग्रहण, भाव ग्रहण कर सकेंगे । समसामयिक संदर्भों में अर्थ समझ सकेंगे ।[redacted]
- काव्य – रचना के विभिन्न अर्थों को पहचान सकेंगे और उसमें अपनी समझ के अनुसार अपनी राय भी जोड़ सकेंगे ।
- अपने विचारों से अलग पाठ्य – सामग्री के **मूलभूत तथ्यों को पहचान सकेंगे** ।
- विभिन्न शब्दों, पदबंधों आदि को सामाजिक संदर्भों के अनुसार समझ सकेंगे और अपने लेखन में उसका प्रयोग कर सकेंगे ।
- प्रभावशाली, तार्किक और उपयुक्त भाषा-शैली में अपनी बात / विचार लिख सकेंगे ।
- विभिन्न प्रिंट और डिजिटल माध्यमों से जानकारी प्राप्त करके उसका उपयोग कर सकेंगे ।
-
- कहानी को नाटक रूप में लिखकर प्रस्तुत कर सकेंगे ।
- पाठ्य सामग्री को पढ़कर समझ सकेंगे और प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे ।

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
▸ पाठ्य सामग्री के केंद्रीय भाव का अनुमान ▸ काव्य रचना की समझ और भाव ग्रहण	▸ विभिन्न विधाओं जैसे – कविता, कहानी, एकांकी आदि को भावपूर्ण ढंग से पढ़वाएँ । आदर्श वाचन प्रस्तुत करें और विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान करें जिसमें वे विभिन्न विधाओं को उपयुक्त शैली में पढ़ सकें और लिख सकें ।	▸ साहित्यिक-सामग्री के लिए पुस्तकें और पत्रिकाएँ ▸ प्रासंगिक, तात्कालिक / समसामयिक पुस्तकें ▸ नेटसुविधा/ मल्टीमीडिया ▸ भाषा खेल

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ [redacted] ▸ साहित्य और संस्कृति के अनुरूप शब्दों के अर्थ की पकड़ और समझ ▸ अपनी बात का तर्कपूर्ण, सकारण और उपयुक्त प्रमाण सहित कथन ▸ सत्य, काल्पनिक अनुभवों का विस्तार, क्रमबद्धता और प्रभावशाली ढंग से लेखन ▸ विभिन्न प्रिंट एवं डिजिटल माध्यमों से उपयुक्त जानकारी का संकलन एवं लेखन ▸ विभिन्न भाषा शैलियों की समझ और अपनी शैली का विकास ▸ साहित्य की विभिन्न विधाओं, कहानी, एकांकी, कविता, निबंध आदि का पठन एवं लेखन	▸ [redacted] ▸ वाक् प्रस्तुति करवाने के अवसर प्रदान करें। ▸ सक्रिय और जागरूक बनाने के लिए समसामयिक लेख पढ़वाएँ और उनपर अपनी प्रतिक्रिया लिखवाएँ। ▸ कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने के लिए अतिरिक्त अध्ययन के लिए प्रेरित करें। ▸ अपने परिवेश, समय और समाज से जुड़े विषयों पर रचनाएँ उपलब्ध करवाएँ और लेखन के अवसर भी दें। ▸ पुस्तकें उपलब्ध करवाएँ तथा ऐसी गतिविधियों का आयोजन करें जिससे पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास हो। ▸ भाषा-खेलों का आयोजन करें जैसे शब्द-सीढ़ी, वर्ग-पहेली आदि। ▸ [redacted]	

थीम 3: व्याकरण और भाषा

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- हिंदी भाषा के शब्दों **(तत्सम और तद्भव)** रूपों को समझ सकेंगे।
- **संज्ञा** के तीन भेद – **व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञा** को पहचान सकेंगे और भाववाचक संज्ञा का निर्माण कर सकेंगे।
- **सर्वनाम** के भेदों की पहचान और उसका सही प्रयोग कर सकेंगे। भेद – **पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक।**
- **विशेषण** - विशेषण के चार भेद - **गुणवाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण समझ सकेंगे।** अन्य पदों से विशेषण बना सकेंगे।
- **क्रिया** - कर्म के आधार पर दो भेद - **अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया की पहचान** कर सकेंगे।
- व्यावहारिक भाषा में उचित लिंग और वचन का प्रयोग कर सकेंगे।
- **काल** - काल के तीन भेद– भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत् काल का समुचित प्रयोग कर सकेंगे।
- कारक -चिह्नों का सही प्रयोग कर सकेंगे।
    - (क) विराम -चिह्नों की पहचान और उनका सही प्रयोग कर सकेंगे।
    - (ख) 'की' और 'कि' तथा 'रि' और 'ऋ' के अंतर आदि की पहचान कर सकेंगे। अनुस्वार, अनुनासिक और 'र' के विभिन्न रूपों को ठीक से पहचान कर सही प्रयोग कर सकेंगे।
- **शब्द भंडार** - शब्दों के विभिन्न रूपों को समझ सकेंगे, विलोम, पर्यायवाची, अनेक के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्दों की समझ बना सकेंगे तथा प्रयोग कर सकेंगे।
- मुहावरों को वाक्यों / भाषा में समझ कर प्रयुक्त कर सकेंगे।
- **अपठित गद्यांश व काव्यांश पढ़कर समझ सकेंगे और अपनी भाषा में संक्षिप्त उत्तर लिख सकेंगे।**
- पत्र-लेखन का प्रारूप समझ कर पत्र लिख सकेंगे।
- निबंध-लेखन द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकेंगे।

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
संज्ञा, सर्वनाम, लिंग-वचन आदि का शुद्ध प्रयोग।	स्वरों और व्यंजनों के अंतर को स्पष्ट करें। अब 'ऑ' हिंदी का मान्य स्वर है। डॉक्टर, कॉलेज, बॉल आदि	रोचक कार्यपत्र शब्द-भंडार की सूची

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
सर्वनाम के विभिन्न रूपों की समझ और उनके प्रयोग का प्रदर्शन ▷ शुद्ध उच्चारण, उपयुक्त अर्थ, पद-परिचय की समझ बनाने के लिए संदर्भ-सामग्री (प्रिंट और डिजिटल दोनों) ▷ वर्ण विचार – भाषा की सबसे छोटी इकाई ▷ भाषा विचार – भाषा का मौखिक और लिखित रूप ▷ शब्द विचार – सार्थक वर्णों का समूह ▷ संज्ञा और संज्ञा-भेद ▷ सर्वनाम, सर्वनाम के भेद और विभिन्न रूप ▷ विशेषण और सामान्य भेद ▷ क्रिया की पहचान एवं प्रयोग – कर्म के आधार पर क्रिया भेद ▷ लिंग और वचन – लिंग, वचन परिवर्तन का अभ्यास ▷ काल – सामान्य भेदों की पहचान ▷ कारक – कारक चिह्नों (परसर्ग) का सामान्य ज्ञान एवं प्रयोग ▷ (a) विराम-चिह्न – विराम-चिह्नों की पहचान और प्रयोग	उदाहरणों से स्पष्ट करें। स्वरों की मात्राओं का ज्ञान कराएँ। संयुक्त व्यंजन (क्ष, त्र, ज्ञ, श्र) के रूपों को स्पष्ट करें। ▷ मौखिक रूप पहले आया, क्यों? आदि पर चर्चा करें। दोनों रूपों को स्पष्ट करें। ▷ शब्दों के तत्सम – तद्भव रूप को स्पष्ट करें। नवीन सोच की ओर भी संकेत किया जा सकता है कि 'तत्सम' शब्द वे हैं जो किसी अन्य भाषा से ज्यों के त्यों ले लिए गए हैं, जैसे – आश्रय, अस्थि, बॉल, हॉल, कॉलेज, इडली, ज़रूरत आदि। 'तद्भव' वे हैं जिन्हें हिंदी भाषा के अनुरूप ढाल लिया गया है, जैसे – दही, हड्डी, त्रासदी, अकादमी आदि। ▷ पाठ के शब्दों का चयन कर संज्ञा भेदों को बताएँ। उदहारण – मिठाई – जातिवाचक संज्ञा, आगरा – व्यक्तिवाचक संज्ञा, मिठास – भाववाचक संज्ञा। भाववाचक संज्ञा निर्माण – मीठी से मिठास आदि। ▷ पाठ्य– सामग्री से सर्वनाम छाँटकर उनके भेदों को समझाएँ। ▷ सर्वनाम के भेदों की पहचान और उसका सही प्रयोग करवाएँ। भेद – पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक, संबंधवाचक की पहचान करवाएँ। ☛ *जब संदर्भ के साथ यह, वह, इन्हें, उन्हें, उसे आदि का प्रयोग हो तब तो निश्चयवाचक सर्वनाम मान सकते हैं। जब संदर्भ न हों तब सर्वनाम पुरुषवाचक भी हो सकता है और निश्चयवाचक भी। इसका निर्णय कैसे लें ? इसका स्पष्टीकरण इस प्रकार किया जा सकता है कि यदि व्यक्ति के लिए यहवह का , प्रयोग हुआ है तब तो वह पुरुषवाचक सर्वनाम होगा और वस्तुघटना , आदि के लिए आया है तो*	[redacted] ▷ निबंध ▷ सुन्दर चित्र ▷ भाषा खेल – वर्ग पहेली आदि O अनौपचारिक पत्र अपना पता तिथि जिसके लिए है उसका पद पता विषय संबोधन विषय वस्तु ________________ ________________ भवदीय अपना नाम

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
➢ (b) वर्तनी सुधार के लिए 'की' और 'कि', 'रि' और 'ऋ' का अंतर ➢ शब्द भंडार – विलोम, पर्यायवाची, अनेक के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्द ➢ सामान्य मुहावरे ➢ रोचक अपठित गद्यांश / पद्यांश (स्तारानुकूल) ➢ पत्र लेखन – औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लेखन ➢ निबंध लेखन – (150 से 180 शब्दों में) ➢ [redacted]	*निश्चयवाचक सर्वनाम होगा। इससे समस्या का काफ़ी हद तक समाधान हो जाएगा। जैसे –* ☛ *उसे बुला लाओ / वह बाहर खड़ी है/ यह तो यहाँ ही बैठा है। इन वाक्यों में उसे, वह, यह व्यक्तियों के लिए आया है यह विभिन्न क्रियाओं से स्पष्ट है। इन्हें पुरुषवाचक माना जाए।* ☛ *यह यहाँ रख दो। वह वहीं पड़ा रहने दो। उसे उठा लाओ। इन वाक्यों में यह, वह, उसे वस्तुओं के लिए ही प्रयुक्त हुआ है अतः इन्हें निश्चयवाचक मानना चाहिए।* ☛ *कुछ अन्य वाक्य देखिए–* ☛ *उन्हें भी बुला लो /उन्हें रखा रहने दो/ उन्हें रहने दो- पहले वाक्य में 'उन्हें' व्यक्तियों के लिए ही प्रयुक्त हुआ है जबकि दूसरे वाक्य में वस्तुओं के लिए और तीसरे में व्यक्ति भी हो सकते हैं और वस्तु भी। ऐसी स्थिति में दोनों संभव है। संदर्भ ज्ञात हो तो उसी के अनुरूप भेद किया जा सकता है अन्यथा दोनों भेद माने जा सकते हैं।* ☛ *पाठ्य सामग्री से विशेषण छाँटकर अभ्यास करवाएँ। भेदों की पहचान करवाएँ। चार भेद ही अपेक्षित हैं।* ➢ सार्वनामिक विशेषण को समझना आवश्यक है। जैसे - ☛ ***यह** आम पका है और **वह** कच्चा। इस वाक्य में आम की 'यह' विशेषता बता रहा है इसलिए सार्वनामिक विशेषण है और 'वह' आम के लिए आया है इसीलिए सर्वनाम है।* ☛ *सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण दोनों रूप रचना के स्तर पर समान होते हैं केवल वाक्य प्रयोग के स्तर पर दोनों में अंतर होता है। जो*	

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
	*शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं वे सर्वनाम होते हैं लेकिन जब कोई सर्वनाम किसी संज्ञा (विशेष्य) के साथ लगकर संज्ञा की विशेषता बताता है तो सार्वनामिक विशेषण होता है। जैसे – **कुछ** छात्र खेल रहे हैं। **हमारा** विद्यालय बड़ा है। इन वाक्यों में 'कुछ' और 'हमारा' सार्वनामिक विशेषण हैं।* ▸ विशेषण बनवाएँ, जैसे – सुरभि-सुरभित, ठंड-ठंडा आदि। ▸ क्रिया – कर्म के आधार पर दो भेद- अकर्मक और सकर्मक की पहचान करवाएँ। प्रायः कर्म के साथ सकर्मक क्रिया आती है। उदाहरणों द्वारा स्पष्टीकरण करना चाहिए। (इस स्तर पर मिश्रित ,संयुक्त और प्रेरणार्थक उदाहरणों से बचा जाए तो बेहतर है)। ▸ लिंग और वचन का अभ्यास करवाएँ। हिंदी में निर्जीव वस्तुओं के लिए भी स्त्रीलिंग या पुल्लिंग निर्धारित होता है और कभी कभी मातृ-भाषा से प्रभावित होकर लिंग भेद देखा जा सकता है, जैसे – पंजाब में ट्रक **आती** है जबकि हिंदी क्षेत्र में ट्रक **आता** है। इसका संकेत करें और प्रयोग विद्यार्थी पर छोड़ दें। परीक्षा में ऐसे अपवादों को पूछने से बचा जा सकता है। प्रयोग के आधार पर अभ्यास करवाएँ। वचन के प्रयोग को भी स्पष्ट करें। कभीकभी शब्द - के रूप में एकवचन और बहुवचन समान होते हैं लेकिन प्रयोग या क्रिया आदि से एकवचन या बहुवचन का निर्धारण होता है,जैसे पेड़ लगा है । पेड़ लगे हैं। इन वाक्यों में 'पेड़' का रूप दोनों वाक्यों में समान है जबकि पहले वाक्य में एकवचन है और दूसरे वाक्य में बहुवचन। इसका पता क्रिया से लगा। इस प्रकार के उदाहरण देकर स्पष्ट करें। कार्य पत्रों के माध्यम से अभ्यास करवाएँ। (नित्य पुल्लिंग /	

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
	स्त्रीलिंग या नित्य एकवचन / बहुवचन विद्यार्थी की जिज्ञासा को स्पष्ट करने के लिए बताना बेहतर होगा)। ▸ काल के तीन भेद – भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत् काल का अभ्यास करवाएँ। परस्पर परिवर्तन का अभ्यास करवाएँ। मैं पढ़ता था। मैं पढ़ता हूँ। मैं पढ़ूँगा। रोचक कार्य पत्रों द्वारा पहचान करवाएँ। ▸ कारकों के भेद प्रयोग द्वारा स्पष्ट करें। सामान्य कारक चिह्नों के प्रयोग का अभ्यास करवाएँ और उनकी पहचान करवाएँ। परसर्ग के सही प्रयोग से भाषा की पकड़ मजबूत बनाएँ। ▸ विराम चिह्नों का प्रयोग करवाएँ और स्पष्टीकरण करें। पूर्ण विराम, प्रश्न चिह्न, अल्पविराम, उद्धरण चिह्न, कोष्ठक, विस्मयादिबोधक, योजक चिह्न का प्रयोग बताएँ और अभ्यास करवाएँ। ▸ विद्यार्थियों की भाषा में 'की' और 'कि' के अंतर, 'रि' और 'ऋ' के अंतर की अशुद्धियों की ओर ध्यान दिलाएँ और उचित प्रयोग करवाएँ। ▸ शब्द भंडार, विलोम, पर्यायवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक और अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग बताएँ। पाठ्य सामग्री से ऐसे शब्दों को चुनने का अभ्यास करवाएँ। *(स्तर को ध्यान में रखते हुए 15-20 शब्द प्रति सत्र शब्दों की सूची देकर भी अभ्यास करवाया जा सकता है। सूची की सीमा के कारण विद्यार्थी तैयारी अच्छी कर पाते हैं। छठी की सूची सातवीं में जोड़ कर पूछें और आठवीं में छठी सातवीं की सूची जोड़कर)।* ▸ पाठ्य-सामग्री में आए मुहावरों का प्रयोग समझाएँ और अपने वाक्यों में पुनः प्रयोग करवाएँ। रचनात्मक लेखन में उनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें।	

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
	➢ रोचक अपठित गद्यांश और काव्यांश देकर प्रश्न अभ्यास करवाएँ। ➢ पत्र लेखन – औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को स्पष्ट करें। यह भी स्पष्ट करें कि पता, तिथि, विषय, संबोधन और समाप्ति की आवश्यकता क्यों है? भाषा शैली पर विशेष ध्यान दें। अति संक्षेप या अनावश्यक विस्तार से बचने की प्रेरणा दें। ➢ निबंध लेखन के लिए विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुकूल समसामयिक, उनसे संबद्ध और रोचक विषय देकर अभ्यास करवाएँ। निबंध का प्रारंभ / मुख्य विषय-वस्तु और उपसंहार को स्पष्ट करें। यह निबंध वर्णनात्मक, कल्पनात्मक आदि हो सकते हैं। [redacted]	